

सीमा कर/सीमा शुल्क पुं. (तत्.) किसी राज्य/प्रदेश/जिला/नगर/क्षेत्र की सी पर कुछ विशेष वस्तुओं के आयात-निर्यात के समय या प्रदेश के समय लिया जाने वाला कर/शुल्क।

सीमा चौकी स्त्री. (तत्.) देश की सीमा रक्षा के लिए बनाई गई सैनिकों की चौकी जहाँ बैठकर/खड़े होकर वह सीमा की पहरेदारी करते हैं।

सीमातिक्रमण पुं. (तत्.) अपनी सीमा पार करके दूसरे के क्षेत्र में किए जाने वाला प्रवेश/सीमा का उल्लंघन।

सीमातिक्रमणोत्सव पुं. (तत्.) प्राचीन काल में भारतीय राजाओं द्वारा युद्ध यात्रा के समय सीमा पर जाने का उत्सव, विजयोत्सव, विजय-यात्रा।

सीमापाल पुं. (तत्.) सीमा प्रांत का रक्षक अधिकारी।

सीमाब पुं. (फा.) पारा, पारद।

सीमाबद्ध वि. (तत्.) 1. जिसकी सीमा निश्चित कर दी गई हो 2. सीमाओं या मर्यादाओं से बंधा हुआ 3. नियमबद्ध, मर्यादित 4. परिमित, सीमित, अल्प।

सीमालिंग पुं. (तत्.) प्रदेश की सीमा का चिह्न, हद का निशान।

सीमा विनिर्णय पुं. (तत्.) विवादग्रस्त सीमा के बारे में निर्णय, फैसला।

सीमा शुल्क/सीमाकर पुं. (तत्.) दे. सीमा कर।

सीमा संधि स्त्री. (तत्.) 1. वह स्थान जहाँ दो सीमाएँ मिलती है 2. दो प्रदेशों या देशों के बीच सीमा के बारे में हुई संधि या करार।

सीमा हेतु पुं. (तत्.) वह मेड़ या पुश्ता जो सीमांकन के लिए बनाया गया हो।

सीमिक पुं. (तत्.) 1. एक प्रकार का वृक्ष 2. दीमक 3. दीमकों की बाँबी।

सीमित वि. (तत्.) 1. सीमाबद्ध, सीमा से बँधा हुआ 2. जिसका विस्तार सीमा विशेष के अंदर हो 3.

जिसका प्रभाव सीमा विशेष तक हो 4. परिमित, अल्प, थोड़ा।

सीमी वि. (फा.) चांदी से बना हुआ।

सीमेंट पुं. (अं.) वास्तु. 1. भवन निर्माण आदि में प्रयुक्त ईंट-पत्थर आदि को जोड़ने वाला एक मसाला 2. दाँत की जड़ के चारों ओर हड़डी जैसा एक रासायनिक पदार्थ जो मसूड़े में आधार देता है 3. दाँत भरने का पदार्थ 4. कुछ जीवों में एक प्रकार का स्राव जो जोड़ने का काम करता है।

सीय/सीया स्त्री. (तद्.) दे. सीता, 'सीरध्वज' जनक की पुत्री और राम की पत्नी उदा. 'सीय राम मय सब जग जानी' -रामचरितमानस।

सीयन स्त्री. (तद्.) दे. 1. सीवन, सिलाई का काम 2. सिलाई की संधि, जोड़, टांका 3. शरीर में कोई जोड़ विशेष।

सीयरा वि. (तद्.) शीतल, ठंडा।

सीर पुं. (तत्.) 1. हल 2. सूर्य 3. आक या मदार का वृक्ष स्त्री. 1. साझेदारी, हिस्सेदारी 2. जमीन के मालिक द्वारा किसी अन्य व्यक्ति को जोतने के लिए कुछ शर्तों पर दी गई जमीन 3. साझेदारी वाली भूमि जिसकी फसल का साझेदारों में बँटवारा होता है 4. साझे का माल 5. नस।

सीरक पुं. (तत्.) 1. हल 2. सूर्य 3. शिशुमार वि. शीतकारक, ठंडा या शीतल करने वाला।

सीरत स्त्री. (अर.) 1. स्वभाव, प्रकृति 2. गुण, विशेषता।

सीरधर वि. (तत्.) 1. हलधर, हल धारण करने वाला 2. बलराम का एक नाम।

सीर-ध्वज पुं. (तत्.) 1. जिसके ध्वज में हल का निशान हो 2. राजा जनक का प्रथम वास्तविक नाम 3. बलराम।

सीरन पुं. (देश.) बच्चों का एक प्रकार का पहनावा।

सीरनी स्त्री. (फा.) मिठाई, सिरनी।

सीर-पाणि पुं. (तत्.) जिसके हाथ में हल हो अर्थात् बलराम।